डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 183 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 19 अप्रैल 2025 | मूल्य 2 रुपया

विवाह समारोह में युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। यशोधर्मन नगर थाना क्षेत्र के ग्राम गुजरदा में विवाह समारोह के दौरान एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया गया है कि बिंदौली में नाचने के दौरान विवाद हुआ था। इस मामले में फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। मामले में आरोपी चार राजस्थानी युवको को हिरासत में लेकर प्रकरण दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात गुजरदा में बिंदौली में नाचने के दौरान विवाद हुआ। इसमें चार लोगों ने अनिल पिता राधेश्याम उम्र 22 वर्ष निवासी गुजरदा पर चाकू से वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद रवि भोई ने पुलिस को इस संबंध में सूचना दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अुर्जन मीणा, सुनील मीणा, बलराम मीणा और अजय मीणा निवासी दिवाला कोटड़ी थाना अरनोद को हिरासत में लेकर प्रकरण दर्ज किया गया है।

अब आंगनवाड़ी और स्कूलों के बीच कॉम्पीटीशन...

नामांकन बढ़ाने के लिए तीन साल के बच्चों का नर्सरी में प्रवेश

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में नि:शुल्क किताबें, मध्यान्ह भोजन, गणवेश जैसी सुविधाएं मिलने के बावजूद भी बच्चों की संख्या साल दर साल कम हो रही है। मंदसौर जिले की बात करें तो बीते सत्र में प्रदेश में जिला टॉप टेन में रहा, जहां बच्चों का नामांकन सबसे कम रहा। मंदसौर जिले में कक्षा पहली में उस बार चार हजार बच्चों ने प्रवेश लिया था। हालांकि अब नर्सरी से ही बच्चों को स्कूल तक लाने की कवायद शुरु हो गई है। जिले के 54 स्कूलों में तीन साल से कम उम्र के बच्चों को नर्सरी में प्रवेश दिया जाएगा। अब इस कवायद के बाद आंगनवाड़ी और स्कूलों के बीच प्रतिस्पर्धा शुरु होना तय है। इसका कारण है कि आंगनवाड़ी तक बच्चों को लाना आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए टेड़ी खीर साबित हो रहा है। इधर अब स्कूल स्टॉफ भी घर-घर तक पहुंचेगा। बच्चों को स्कूल तक लाने का प्रयास करेगा।

फिर आंगनवाड़ी का क्या महत्व...

तीन साल के बच्चों को स्कूल तक लाने की कवायद शुरु की गई है। इधर बात करें आंगनवाड़ी की तो बच्चों को स्कूलों में बैठना सीखाने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र चलाए जा रहे हैं। यह काम निजी स्कूलों में नर्सरी में किया जाता है। मतलब कहा जा सकता है कि आंगनवाड़ी सरकारी स्कूलों की नर्सरी है। लेकिन, अब सरकारी स्कूलों में ही तीन साल के बच्चों को लाने की कवायद शुरु हो गई है तो सरकारी स्कूलों की नर्सरी मतलब आंगनवाड़ी का महत्व कम हो जाएगा।

साल दर साल कम हो रही संख्या...

स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर नामांकन के जारी आंकड़ों के अनुसार साल दर साल सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या कम हो रही है। हालांकि, राज्य शिक्षा केंद्र जिला परियोजना समन्वयकों को बच्चों का नामांकन दर बढ़ाने के लिए गृह संपर्क अभियान जारी करने और समग्र आईडी से मैपिंग करने के लिए हर साल निर्देश जारी करता है।

निजी स्कूल की स्टाईल में नर्ससी, केजी-1 और केजी-2...

06 वर्ष की आयु वाले नियम से जिले सहित प्रदेशभर में नामांकन घट रहा था। अब शासन को उम्मीद है कि विद्यार्थी नर्सरी में प्रवेश लेकर आगे बढ़ेंगे। पहले चरण में जिले के 54 स्कूलों को इस योजना के तहत शामिल किया गया है। जहां 16 जून से नर्सरी, केजी-1 और केजी-2 कक्षाएं शुरू होंगी। हालांकि, जिले में पायलट प्रोजेक्ट के

तौर पर पिछले साल भी कुछ स्कूलों में कक्षाएं चली हैं। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला शिक्षा केंद्र का कहना है कि नर्सरी कक्षा में प्रवेश के लिए 3 वर्ष से 4 वर्ष 6 माह होना चाहिए। केजी-1 में प्रवेश के लिए 4 वर्ष से 5 वर्ष 6 माह आयु हो। केजी-2 में एडमिशन के लिए 5 वर्ष से 6 वर्ष 6 माह व पहली कक्षा में प्रवेश के लिए 6 वर्ष से 7 वर्ष 6 माह आयु का नियम है। इसी सत्र से बच्चों के एडमिशन होंगे।

नर्सरी में देंगे अक्षर ज्ञान...

नर्सरी में पढ़ने वाले बच्चे अक्षर ज्ञान हासिल करेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग का प्लान है कि सरकारी स्कूलों से अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ा जाए। ऐसे में नर्सरी के बच्चों को स्कूल लाया जाएगा तो वह आगे की कक्षा में भी सरकारी स्कूलों में ही पढ़ेंगे। नर्सरी में पढ़ने वाले बच्चे अक्षर ज्ञान हासिल करेंगे। पहली कक्षा तक आते-आते दो-तीन अक्षर वाले शब्द लिखने और पहचानने लगेंगे। ऐसे में बच्चों को आगे की शिक्षा की राह आसान होगी। इसके लिए स्कूलों में नर्सरी, केजी-1 और केजी-2 कक्षाएं शुरू करने का निर्णय लिया है।

बच्चों को मिलेंगी सुविधाएं...

नर्सरी कक्षा की शुरुआत के लिए चयनित स्कूलों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। नर्सरी और केजी-1, केजी-2 के लिए अलग से कक्षाएं होंगी। इन कक्षाओं में चित्रकारी सहित बच्चों की गतिविधियों का लेख लगाया जा रहा है। हालांकि, इसके लिए स्कूलों में ऊपर से बजट नहीं आया है। लेकिन, अभी जो संसाधन है उन्हीं से संचालन किया जाएगा। सत्र शुरू होने तक बजट मिलने की संभावना है। इससे और विस्तार किया जाएगा। नामांकन प्रभारी ने बताया कि अभी कितने विद्यार्थियों ने इन कक्षाओं ने प्रवेश लिया है, यह पता नहीं चल पा रहा है। जल्द ही पोर्टल पर उपलब्ध होगा।

पिछले सत्र में जिले की कक्षा पहली में प्रवेश के मामले में अंतिम दस की स्थिति...

जिला	प्रवेश
हरदा	– दो हजार
नीमच	– दो हजार
नरसिंहपुर	– तीन हजार
नर्मदापुरम	– तीन हजार
निवाड़ी	– तीन हजार
आगरमालवा	– तीन हजार
शाजापुर	– चार हजार
मंदसौर	– चार हजार
बुरहानपुर	– चार हजार
सिवनी	– पांच हजार

महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सावित्री ठाकुर मंदसौर आई...

केन्द्रीय मंत्री ने देखा आंगनवाड़ी और वन स्टाप सेंटर

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर शुक्रवार को मंदसौर आई। उन्होंने वन स्टाप सेंटर मंदसौर एवं जीवागंज वार्ड क्रमांक 17 के आंगनबाड़ी केंद्र 01 को देखा। उन्होंने वन स्टाप सेंटर पर पौधारोपण भी किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा, मारपीट जैसी समस्याएं होने पर तुरंत वन स्टाप सेंटर पर शिकायत करें। वन स्टाप सेंटर के माध्यम से तुरंत गाड़ी की सुविधा भी प्राप्त होती है। आंगनवाड़ी केंद्र में गर्मी के दिनों में बच्चों का विशेष तौर पर ध्यान रखें। गर्भवती माता, बच्चों को समय-समय पर सभी टीके जरूर लगवाएं। उन्हें सभी तरह का पोषण आहार प्रदान करें। गर्भवती माता एवं बच्चों की समय पर सभी तरह की जांचे करवाए। आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन खुलना चाहिए। इस दौरान उन्होंने बच्चों से संवाद किया एवं आंगनबाड़ी में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। बच्चों को गिफ्ट भी प्रदान किए।

केन्द्रीय मंत्री ने सरकार द्वारा प्रदान की जा रही योजनाएं जिसमें पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, 70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड का लाभ मिलना, मुद्रा बैंक योजना के बारे में भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा की मुद्रा बैंक योजना के माध्यम से महिलाएं छोटे-छोटे काम शुरू कर सकती है। इस योजना के माध्यम से छोटे-छोटे कामों के लिए लोन मिल जाता है। इस दौरान सांसद सुधीर गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला अन्य सभी जनप्रतिनिधि, डीपीओ पीसी चौहान, अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकार मौजूद थे।

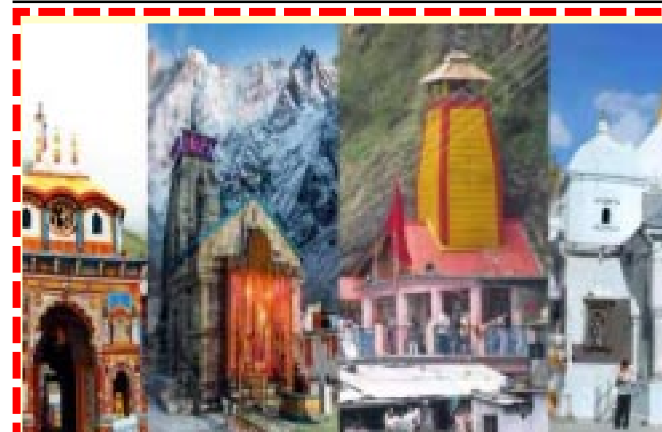

चारधाम यात्रा: इस दिन खुलेंगे केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट, तैयारी पूरी

देहरादून, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। उत्तराखंड के चारधाम की यात्रा जल्द शुरू होने वाली है। यह पावन यात्रा हर वर्ष यमुनोत्री से प्रारंभ होती है। इसके बाद श्रद्धालु गंगोत्री पहुंचते हैं जो यात्रा का दूसरा पड़ाव होता है। तीसरे पड़ाव पर भक्त केदारनाथ धाम की ओर बढ़ते हैं, जहां देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना की जाती है। अंतिम और चौथा पड़ाव बद्रीनाथ धाम है, जहां भगवान विष्णु को जगत का पालनहार मानकर उनकी आराधना की जाती है।

30 अप्रैल से शुरू होने वाली है चारधाम की यात्रा...

पवित्र चारधाम यात्रा की शुरुआत इस साल 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के शुभ दिन से होगी। इस दिन सुबह 10:30 बजे यमुनोत्री और गंगोत्री मंदिरों के कपाट पूजा-पाठ के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुताबिक, केदारनाथ धाम के कपाट 02 मई 2025 को सुबह 07 बजे खोले जाएंगे। इसके बाद 04 मई 2025 को बद्रीनाथ धाम के कपाट भी भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे।

जानिए क्या है चारधाम यात्रा...

हिंदू धर्म में मान्यता है कि चारधाम यात्रा करने से व्यक्ति के सारे पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह यात्रा जीवन के कष्टें से मुक्ति पाने का मार्ग भी मानी जाती है, क्योंकि यहां जाकर व्यक्ति अपने मन, आत्मा और शरीर को शुद्ध करता है। माना जाता है कि जीवन में एक बार चारधाम यात्रा पर जाना हर भक्त का धर्म है। यह यात्रा व्यक्ति को अपनी धार्मिक जिम्मेदारियों को समझने और निभाने का एक अवसर देती है।

चार दिन की रिमांड पर एमडी ड्रग के साथ गिरफ्तार आरोपी

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुलिस की नारकोटिक्स विंग ने राजमार्ग स्थित मुल्तानपुरा फंटा से एक बाइक सवार को आधा किलो से ज्यादा एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे चार दिन की रिमांड पर सौंपा गया हैं। अब विंग के अधिकारी आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रहे हैं।

नारकोटिक्स विंग पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर मुल्तानपुरा फंटा पर दबीश दी गई। इस दौरान एक बाइक सवार को रोककर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम जियाउद्दीन पिता मोहम्मद हबीब निवास थाना नईआवादी जिला मंदसौर बताया। तलाशी लेने पर अपाचे बाइक सवार जियाउद्दीन के पास 514 ग्राम एमडी मिली। मादक पदार्थ की कीमत 25 लाख 70000 रुपए बताइ गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया था। आरोपी का चार दिन का रिमांड मिला हैं। विंग उससे विस्तृत पूछताछ कर रही हैं।

निजी स्कूलों को फीस नियमों में मिली छूट

25 हजार से कम फीस, पोर्टल पर जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं

भोपाल, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। वार्षिक फीस 25 हजार रुपए से कम वसूलने वाले निजी स्कूलों को अब स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना जरूरी नहीं होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

विभाग ने साफ किया है कि जिन निजी विद्यालयों द्वारा 25 हजार रुपए से अधिक वार्षिक फीस वसूली जा रही है, उन्हें पोर्टल पर फीस संबंधी जानकारी अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसके लिए अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ा दी गई है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि बिना अनुमति और उचित कारण के फीस नहीं बढ़ाई जा सकेगी। जिले में छह सौ से ज्यादा स्कूल है। इसमें से पचास प्रश से ज्यादा स्कूल ऐसे है, जहां वार्षिक फीस 25 हजार या उससे कम है। मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम-2020 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित फीस संरचना (कक्षा एवं संवर्गवार) की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। यह अधिनियम 31 जनवरी 2025 से प्रभावी हुआ है। शुरू में इसकी अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई थी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि कई विद्यालयों ने पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने में तकनीकी समस्याओं की जानकारी दी है। इसे ध्यान में रखते हुए अपलोड की समय सीमा 15 मई तक बढ़ा दी गई है।

बिना अनुमति 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं फीस...

इस अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि विद्यालय 10 प्रतिशत तक सालाना फीस वृद्धि बिना किसी पूर्व अनुमति के कर सकते हैं। इससे ज्यादा बढ़ाने के लिए संबंधित जिला समिति की अनुमति लेना आवश्यक होगा। यह प्रावधान इसलिए रखा गया है ताकि अभिभावकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न पड़े। नई उपधारा के तहत, जिन स्कूलों की वार्षिक फीस 25 हजार रुपए से कम है, वे इस अधिनियम के दायरे से बाहर रहेंगे। इसके अतिरिक्त फीस नियमन एवं संबंधित विषयों के लिए जिला स्तर पर और राज्य स्तर पर समिति गठित की गई है, जो इन मामलों की निगरानी करेगी।

युवक कांग्रेस का चुनाव कार्यक्रम घोषित, मोबाइल एप पर होगी वोटिंग

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस का चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके लिए 27 अप्रैल से 06 मई तक नामांकन की प्रक्रिया होगी। इस दौरान नामांकन पर दावे-आपत्ति 28 अप्रैल से 7 मई तक स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन की जांच 07 से 09 मई तक की जाएगी और नामांकन को अंतिम रूप 11 मई को दिया जाएगा। बताया गया है कि 18 से 35 वर्ष की आयु वाले ही चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवायसी) एप के जरिए से वोटिंग होगी।

सदस्यता के साथ ही वोटिंग का मिलेगा अधिकार– पहली बार ब्लाक अध्यक्ष का भी सीधे चुनाव होगा। सदस्य बने कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष के लिए मतदान करेंगे। चुनाव प्रक्रिया लगभग पांच महीने में पूरी होगी। चुनाव की घोषणा के साथ ही युवक कांग्रेस से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल है।

शुभम-मोहन की जोड़ी को मुंह की खाना पड़ी...

रुपये भी वापस करना पड़े और केस भी बनाना पड़ा!

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार रात सीतामऊथाना क्षेत्र के बिशनिया में एक काली स्कार्पियो का पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया। वाहन में डोडाचुरा भरा था। जिसका एक्सीडेंट हो गया ओर चालक गाड़ी छोड़कर भाग निकला।

बाद में शुभम ने कोटड़ा के दशरथ के जरिये 35 में खड़ा तोड़ किया ओर 25 हाथो हाथ ले लिये। मजे की बात तो यह की बिशनिया के चौधरी को बचाने के लिये खेले गये खेल की जानकारी कप्तान को लग गई। हालांकि, इस मामले में शुभम द्वारा कप्तान की सेटिंग की ग्यारंटी ली गई थी। ऐसे में जब कप्तान को पूरी कहानी पता चली तो उनका चाबुक भी चला। आखिर में दशरथ को कथित रूप से 25 भी वापस किये गये ओर दुर्घटनाग्रस्त स्कार्पियो को लाकर शुक्रवार देर रात तक लिखापड़ी की जा रही थी। यदि यह कहानी जो जनचर्चा में हैं, सही हैं तो कप्तान को भी शुभम - मोहन के मोह से मुक्त होने की कवायद करना चाहिए...।

तीन घंटे में 03 गुमशुदा बालिकाओं को किया दस्तयाब

पुलिस को दिया धन्यवाद, मंदसौर से लापता तीनों बालिकाएं मनासा से मिली

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ग्राम गुराड़िया दीदा से तीन बालिकाएं गुरुवार शाम अचानक लापता हो गई। इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों और पुलिस तक पहुंची। इसके बाद तुरंत पुलिस हरकत में आई। आखिरकार बालिकाएं मनासा से मिली। जनप्रतिनिधियों और परिजनों ने पुलिस को धन्यवाद दिया।

गुरुवार शाम साढ़े पांच बजे जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम गुराडिया देदा से एक ही समाज की तीन बालिकाएं, जिनकी उम्र 11 वर्ष, 8 वर्ष और 6 वर्ष है, लापता हो गई। बच्चियों के लापता होने से गांव में सनसनी, चिंता और डर परिजनों एवं ग्रामवासियों में व्याप्त हो गया। इसके बाद मामले में पुलिस को सूचना दी गई। इधर इस मामले में पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने भी डीआईजी मनोजसिंह और पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद से चर्चा की। उन्होंने बच्चियों के लापता होने के संवेदनशील मामले में सघनता से पड़ताल किए जाने की बात कही। साथ ही ग्रामवासियों से भी इस संबंध में घटनाक्रम की पूरी जानकारी ली। इसके बाद मनासा में बच्चियों के होने की सूचना मिली। मंदसौर पुलिस ने तत्काल... शेष पेज 3 पर

देश में पहली बार चीतों की शिफ्टिंग

एमपी के कूनो से गांधी सागर अभ्यारण्य में आएंगे चीते

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। करीब 30 माह पहले नामीबिया से भारत लाकर मप्र के पालपुर कूनो नेशनल पार्क में बसाए गए चीतों को अब दूसरा घर मिलने जा रहा है। सब ठीक रहा तो गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 20 अप्रैल को दो चीते छोड़े जाएंगे। दूसरे चरण में इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। यह देश के अंदर एक से दूसरे रहवास स्थल में की जाने वाली चीतों की पहली शिफ्टिंग होगी, जो पालपुर कूनो नेशनल पार्क से की जाएगी। देश के अंदर कूनो ही एकमात्र वह स्थान है, जहां चीते है। इस महत्वपूर्ण व देश के अंदर की जाने वाली पहली प्रस्तावित शिफ्टिंग को हाल ही चीता स्टेयरिंग कमेटी ने मंजूरी दी है। बता दें कि अभी मध्यप्रदेश के पास 26 चीते हैं, इनमें 12 वयस्क और 14 शावक है। इन 26 चीतों में से 17 पालपुर कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में घूम रहे है, जिनमें 11 शावक और 6 वयस्क चीते शामिल है।

बता दें कि चीतों को 02 वर्ष 07 माह पूर्व भारत लाकर मध्यप्रदेश के पालपुर कूनो में बसाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए चीतों को

कूनों में छोड़ा था। उसके पूर्व देश के किसी भी राज्य में चीते नहीं थे। छत्तीसगढ़ के कोरिया में 1948 में आखिरी बार चीतों को देखा गया था। इसके बाद केंद्र ने 1952 में चीतों को विलुप्त करार दे दिया था।

गांधीसागर अभयारण्य में ईको सिस्टम बनाए रखने के लिए रामपुरा पठार क्षेत्र में चीतों को बसाने की कवायद 02 साल से चल रही है। इसके लिए 08 हजार 900 हेक्टेयर में बाड़ा एवं 06 से 08 चीतों के लिए क्वारेंटाइन बोमा तैयार है। कई बार अफ्रीका व दिल्ली से टीमें दौरा करके गई है। जनवरी में केंद्र से आई 07 सदस्यीय टीम ने ओके रिपोर्ट भी मार्च में शासन को सौंप दी थी। अब चीतों का इंतजार खत्म होने वाला है।

दो नर चीतें आएंगे गांधी सागर...

गुरुवार को नीमच सीआरपीएफ कार्यक्रम में आए सीएम डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों को बताया कि 20 अप्रैल को वे वापस रामपुरा में आएंगे। यहां चीतों को छोड़ा जाएगा। जानकारी के अनुसार अभी कूनों में जन्मे दो नर चीतों को गांधीसागर लाया जाएगा। उन्हें बाड़े में रखेंगे। ये चीते जन्म से साथ में रहते हैं, इसे कोलेशन कहते हैं इसलिए अभी इन्हें साथ रखा जाएगा। कुछ समय बाद मादा चीतों को भी गांधीसागर लाया जाएगा। चीतों के आने से संसदीय क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह नीमच- मंदसौर जिले के लिए बड़ी सौगात होगी। इस संबंध में डीएफओ संजय रायखेरे ने बताया कि 20 अप्रैल को गांधीसागर में 08 हजार हेक्टेयर में तैयार बाडे में दो चीतों को छोडा जाएगा। इसके लिए निर्देश आ गए हैं। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सीएम डा. यादव भी आएंगे...

जिले की सीमा पर स्थित गांधीसागर अभयारण्य के रामपुरा पठार में 20 अप्रैल को कूनों में जन्मे दो नर चीतों को गांधीसागर में छोड़ा जाएगा। इसके लिए सीएम डॉ. मोहन यादव आएंगे। यहां कई योजनाओं का भूमिपूजन व लोकार्पण भी करेंगे।

विचार-मंथन

भगोड़ों पर नकेल कसना सरकार के लिए बड़ी चुनौती

पंजाब नेशनल बैंक कर्ज धोखाधड़ी मामले में मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी भारत की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी कही जा सकती है। चोकसी पर करीब साढ़े तेरह हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उसने पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों से सांठगांठ कर यह पैसा विदेशी बैंकों में भेज दिया था। फिर इस मामले का पर्दाफाश होने से पहले ही, करीब सात साल पहले, देश छोड़ कर फरार हो गया। उसने पहले ही एंटीगुआ में निवेश का तर्क देकर वहां की सदस्यता ले ली थी। सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय तबसे उस पर नजरें टिकाए हुए थे, मगर चोकसी उन्हें चकमा दे रहा था। अब जब वह इलाज के लिए बेल्जियम पहुंचा तो प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआइ ने वहां की पुलिस को सारे संबंधित दस्तावेज सौंपते हुए गिरफ्तार करने की अपील कर दी। उसी आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। अब भारतीय एजंसियां उसके प्रत्यर्पण की तैयारी में हैं। चूंकि बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, इसलिए दावा किया जा रहा है कि चोकसी को भी उसी तरह भारत लाया जा सकेगा, जैसे मुंबई हमलों में आरोपी तहव्वुर राणा को कुछ दिनों पहले अमेरिका से भारत लाया गया। यह देखने की बात है कि भारतीय एजंसियों को इसमें कितनी जल्दी कामयाबी मिल पाती है। आर्थिक अपराध कर दूसरे देशों में जा बसे भगोड़ों पर नकेल कसना भारत सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। सरकार पर मेहुल चोकसी, विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे आर्थिक अपराधियों को वापस लाकर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने का दबाव लंबे समय से बना हुआ है। इसे लेकर सरकार को काफी किरकिरी भी झेलनी पड़ी है। ऐसे में, मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी से स्वाभाविक ही सरकार पर दबाव कुछ कम होगा। मगर तकनीकी रूप से उसका प्रत्यर्पण इतना आसान नहीं माना जा सकता, जितना दावा किया जा रहा है। चोकसी के वकील तर्क दे रहे हैं कि उसे अवैध तरीके से गिरफ्तार किया गया है। यह ठीक है कि बेल्जियम के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि है, पर चोकसी अपनी नागरिकता का हवाला देकर मामले को लटकाने का प्रयास कर सकता है। फिर, जैसा कि उसका सहअभियुक्त और भतीजा नीरव मोदी लंबे समय से ब्रिटेन में रहते हुए अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ दलीलें पेश कर रहा है, वैसा ही मेहुल चोकसी भी कर सकता है। इसलिए, सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय को उसके प्रत्यर्पण के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ सकता है। निस्संदेह चोकसी की गिरफ्तारी से उन सभी लोगों और बैंकों ने खुशी अनुभव की होगी, जिनके साथ उसने धोखाधड़ी की है। पर, उसके प्रत्यर्पण भर से यह भरोसा नहीं दिलाया जा सकता कि उसने जो पैसे यहां से विदेशों में भेजे, वे वापस लाकर उन लोगों को दिलाए जा सकते हैं। असल सवाल यही है कि आखिर उस पैसे की वापसी कैसे हो। पंजाब नेशनल बैंक की वह धोखाधड़ी अब तक की सबसे बड़ी आर्थिक धोखाधड़ी मानी जाती है। मेहुल ने उन पैसों से किन देशों में कितनी संपत्ति अर्जित की और किन-किन बैंकों में उसे छिपाया, उसकी वसूली आसान काम नहीं है। पर जिस तत्परता और संजीदगी से प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआइ इस मामले में लगे हुए थे, उससे यह उम्मीद बनती है कि रकम वापसी के रास्ते भी वे जल्दी तलाश लेंगे। फिर, चोकसी की गिरफ्तारी से यह संदेश भी गया है कि आर्थिक धोखाधड़ी करने वाले बहुत देर तक खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर सकते।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

संतोष कुमार पाठक

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था। बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है। बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का

प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को %पलायन रोको, नौकरी दो% यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है। कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे। लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे।

कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है। दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, +पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।+ मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि, अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई। आपको बता दें कि, 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे के तहत आरजेडी 144, कांग्रेस 70, सीपीआई (एमएल) 19, सीपीआई 6 और सीपीआई (एम) 4 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन की बात करें तो, आरजेडी को 75, कांग्रेस को 19, सीपीआई(एमएल) को 12 और सीपीआई एवं सीपीआई(एम) को 2-2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। आरजेडी कांग्रेस को 70 में से सिर्फ 19 सीटें जीतने की याद दिलाते हुए, इस बार सिर्फ 50 सीटों पर लड़ने की बात कह रहा है। जबकि कांग्रेस 70 से कम पर मानने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब सबकी निगाहें, 17 अप्रैल को पटना में होने वाली महागठबंधन की बैठक पर टिक गई है। कांग्रेस सीटों की संख्या और सीटों के नाम के ऐलान के साथ ही उपमुख्यमंत्री के पद पर भी अड़ गई है। आरजेडी जब तक इन मुद्दों पर कांग्रेस की बात नहीं मान लेती है, तब तक कांग्रेस भी मुख्यमंत्री पद को लेकर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। इसके साथ ही कांग्रेस इस बार एक साझा कार्यक्रम के आधार पर चुनाव में जाना चाहती है।

शून्यता ही निर्माण की पहली अवस्था...

मोनिका राज

मनुष्य का अस्तित्व एक गूढ़ रहस्य है, जिसे समझने का प्रयास उसने युगों से किया है। हम जितना इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते हैं, उतना ही यह और गहरा होता जाता है। हमारे भीतर एक असीम शून्यता है, जिसे हम अक्सर डर के रूप में देखते हैं, लेकिन वास्तव में यही शून्यता हमारे होने की पहचान है। जब हम स्वयं को किसी भी विशेषता, किसी भी पहचान से मुक्त कर देते हैं, तभी हम अपने वास्तविक स्वरूप में आते हैं। यह विचार सुनने में विरोधाभासी लगता है, लेकिन यही जीवन का सबसे मौलिक सत्य है- कुछ भी नहीं होना, वास्तव में कुछ होना है। जब हम अपने अस्तित्व को बाहरी चीजों से जोड़ते हैं, तो हम अनजाने में स्वयं को सीमाओं में बांध लेते हैं। हम यह मान लेते हैं कि हमारी पहचान हमारे नाम, पद, रिश्तों, उपलब्धियों और भौतिक वस्तुओं में निहित है। मगर जब हम इन सबसे मुक्त होकर स्वयं को देखते हैं, तो हमें अनुभव होता है कि हम केवल बाहरी पहचान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हम अनंत हैं। हमारे भीतर एक व्यापक आकाश है, जो हर सीमा से परे है। यह आकाश तभी प्रकट होता है, जब हम अपने मन को समस्त पूर्वाग्रहों, आकांक्षाओं और अहंकार से रिक्त कर देते हैं। यह शून्यता कोई अभाव नहीं, बल्कि अनंत संभावनाओं से भरी हुई अवस्था है। भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं में इस शून्यता को महत्व दिया गया है। योग और ध्यान की विधियां इसी ओर इशारा करती हैं- मन को शून्य बनाओ, विचारों के भार से मुक्त हो जाओ और तब तुम अपने वास्तविक स्वरूप को जान पाओगे। बौद्ध धर्म में 'शून्यवाद' की अवधारणा भी इसी ओर संकेत करती है कि जब तक मनुष्य स्वयं को 'कुछ' मान कर चल रहा है, तब तक वह बंधनों में है, लेकिन जब वह स्वयं को 'कुछ भी नहीं' मानता, तब ही वह सच्ची मुक्ति प्राप्त करता है। इसका तात्पर्य यह नहीं कि व्यक्ति का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, बल्कि वह सीमित 'मैं' से निकल कर असीमित 'हम' में परिवर्तित हो जाता है। जीवन में जो कुछ भी नया जन्म लेता है, वह पहले शून्यता में ही विद्यमान होता है। जब कोई कलाकार एक नई रचना करता है, तो वह पहले अपनी चेतना को विचारों की भीड़ से मुक्त करता है। जब कोई कवि कविता लिखता है, तो वह पहले स्वयं को शब्दों के बोझ से खाली करता है। जब कोई ऋषि ध्यान में बैठता है, तो वह पहले अपने मन को समस्त विचारों से मुक्त

करता है। यह शून्यता ही निर्माण की पहली अवस्था है। अगर हमारा मन पहले से ही विचारों और धारणाओं से भरा होगा, तो उसमें कोई नया विचार जन्म नहीं ले सकता। इसलिए, 'कुछ नहीं होना' सृजन का पहला चरण है। यह विचार केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्तर पर भी लागू होता है। जब समाज स्वयं को एक निश्चित पहचान में सीमित कर लेता है, तो वह संकीर्णता में फंस जाता है। जब कोई राष्ट्र स्वयं को किसी विशेष संस्कृति या परंपरा तक सीमित कर लेता है, तो वह अपनी व्यापकता को खो देता है। इसी कारण महान सभ्यताएं तब तक फली-फूली, जब तक वे बाहरी प्रभावों के लिए खुली रहीं, लेकिन जैसे ही वे अपने को पूर्ण मानने लगीं, वैसे ही उनका पतन शुरू हो गया। इतिहास गवाह है कि जो भी समाज स्वयं को 'कुछ' मान कर चलता है, वह स्थिर हो जाता है और धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। मगर जो समाज स्वयं को 'कुछ नहीं' मान कर परिवर्तनशील रहता है, वही अनंत काल तक जीवित रहता है। व्यक्तिगत जीवन में भी यह नियम लागू होता है। जब हम अपने अहंकार से मुक्त हो जाते हैं, तभी हम सच्चे आनंद का अनुभव कर पाते हैं। अहंकार हमें सीमित करता है, जबकि शून्यता हमें अनंत विस्तार देती है। यह अहंकार ही है जो हमें दूसरों से तुलना करने पर मजबूर करता है। हम सोचते हैं कि हमें अपने से श्रेष्ठ व्यक्ति से आगे निकलना है और अपने से निम्न व्यक्ति से ऊपर बने रहना है। लेकिन यह पूरी सोच ही त्रुटिपूर्ण है। जब हम इस तुलना से बाहर निकल आते हैं, तब हमें यह अनुभव होता है कि हम स्वयं में पूर्ण हैं, हमें किसी प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता नहीं। यह विचार हमारे दैनिक जीवन में भी लागू होता है। जब हम किसी विषय में विशेषज्ञ बनना चाहते हैं, तो हमें पहले अपने पूर्वाग्रहों को छोड़ना पड़ता है। जब कोई वैज्ञानिक नई खोज करता है, तो वह पुराने सिद्धांतों को पहले चुनौती देता है। जब कोई विद्यार्थी नया ज्ञान प्राप्त करता है, तो उसे पहले अपने पुराने ज्ञान को छोड़ना पड़ता है। यह 'शून्यता' की प्रक्रिया हर जगह देखी जा सकती है।

जंगलों में भी वन्यजीवों के लिए अभिशाप बना प्लास्टिक, विकराल होती जा रही समस्या

देश और दुनिया भर में प्लास्टिक रोजमर्रा की जरूरतों में शामिल हो चुका है. इसने इंसानों के लिए कई मायनों में सुविधाएं बढ़ाई है, लेकिन इसके बढ़ते उपयोग के कारण इसके दुष्प्रभाव भी दिखाई देने लगे है. चिंता की बात यह है कि अपनी सुविधा बढ़ाने के चक्कर में इंसानों ने खुद को तो मुसीबत में डाल ही लिया है, साथ ही इंसानों की लापरवाही का हर्जाना वन्यजीवों को भी भुगतना पड़ रहा है. यह स्थिति तब वन महकमे के सामने आई है, जब राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में वन्यजीवों के पोस्टमार्टम के दौरान उनके शरीर से प्लास्टिक मिल रहा है। संरक्षित क्षेत्र तक पहुंच से बढ़ रही परेशानी राज्य के संरक्षित क्षेत्र तक भी प्लास्टिक के पहुंचने से वन्यजीवों की परेशानी बढ़ती हुई दिखाई दे रही है. इसके पीछे की वजह वन क्षेत्र से गुजरने वाले तमाम रेलवे ट्रैक और रोड कनेक्टिविटी को माना जा रहा है. दरअसल राज्य में ऐसे संरक्षित क्षेत्र भी है, जहां से या तो रेलवे ट्रैक गुजर रहे हैं या फिर आम लोगों की सुविधा के लिए रोड कनेक्टिविटी दी गई है. देखा जा रहा है कि रेलवे ट्रैक होने के कारण अक्सर सफर के दौरान लोग ट्रेन से वन क्षेत्र में ही प्लास्टिक को फेंक रहे हैं. इसके अलावा कुछ जगहों पर जंगलों के बीच से गुजरने वाली सड़कों में लोगों की गतिविधियों के दौरान भी इसी तरह प्लास्टिक जंगलों के आसपास पहुंच रहा है। वन्यजीवों के शरीर में मिल रहे प्लास्टिक से जिम्मेदार भी हैरान वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की मृत्यु के बाद उनका पोस्टमार्टम किया जाता है. इसी तरह रेलवे ट्रैक की चपेट में आने वाले हाथी, सांभर या दूसरे वन्यजीवों का पोस्टमार्टम करने के बाद ही उनके शरीर को डिस्पोज किया जाता है। वन विभाग में वन्यजीवों के उपचार और उनकी चिकित्सा सुविधा के लिए काम कर रहे पशु चिकित्सकों को इस दौरान वन्यजीवों के शरीर से पॉलिथीन या प्लास्टिक मिल रहा है। डॉ. राकेश नौटियाल, पशु चिकित्सक, राजाजी टाइगर रिजर्व ने कहा पोस्टमार्टम के दौरान उन्हें भी वन्यजीवों के शरीर में प्लास्टिक मिला है जो चिंता की बात है. वन्यजीव द्वारा प्लास्टिक को खाद्य पदार्थ के साथ निगला जा रहा है, जिससे उनके शरीर पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है. यहां तक की ऐसी स्थिति में वन्यजीव की मृत्यु भी हो सकती है। रेलवे के साथ मिलकर ऐसी स्थिति से निपटने का प्रयास सुबोध उनियाल, वन मंत्री ने कहा कि वन क्षेत्रों में प्लास्टिक पहुंचने के पीछे एक वजह रेलवे ट्रैक पर संरक्षित क्षेत्र के बीच में ही लोगों का प्लास्टिक के साथ खाद्य पदार्थ फेंकना भी है. ऐसी स्थिति में वन विभाग के कर्मचारियों को रेलवे ट्रैक क्षेत्र में निरंतर साफ सफाई करने के निर्देश भी दिए जाते रहे हैं. लेकिन इससे बाद भी यह समस्या बढ़ती दिख रही है। इस गंभीर समस्या को लेकर वह लगातार अधिकारियों से बात करते रहे हैं और इस मामले में रेलवे विभाग के अधिकारियों से भी बात करते हुए ऐसी स्थितियों से निपटने की कोशिश की जा रही है. यह दिक्कत गढ़वाल में तमाम जगहों से लेकर कुमाऊं तक के क्षेत्र में भी महसूस की जा रही है. इसके लिए विशेष प्रयास की जरूरत भी महसूस हो रही है। सुगंध से आकर्षित हो रहे जंगलों में वन्यजीव लोग जो खाद्य पदार्थ प्लास्टिक के साथ जंगलों में फेंक देते हैं. उसकी सुगंध वन्यजीवों को आकर्षित कर रही है. दूर से ही वन्यजीव इसकी सुगंध को महसूस करते हुए वहां तक पहुंच जाते हैं और उसके बाद खाद्य पदार्थ को प्लास्टिक के साथ ही निगल जाते हैं. इस तरह खाद्य पदार्थ की सुगंध के कारण वन्यजीव प्लास्टिक को भी निगलने से परहेज नहीं कर रहे।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5570

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5569

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5570

संकेत: बाएं से दाएं

1. 11 जुलाई 2003 में यहां दिल्ली बस और दिल्ली से सदा-ए-सरहद का परिचालन हुआ, पाकिस्तान का यह शहर रावी नदी के किनारे बसा है (3)
4. यह हमारा राष्ट्रीय वृक्ष है (4)
7. कोई विलक्षण चीज देखने के लिए एकत्रित जमघट या जनसमूह (3)
8. हम शब्द का संबंध कारक रूप (3)
9. नाम का, नाम धारण करने वाला (3)
11. जूते सुधारने व बनाने वालों का एक औजार (2)
13. दयनीय दशा वाला, गरीब (2)
15. जिसका स्वामी हो, स्वामी सहित (3)
17. भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म, [illegible] (3)
18. किसी कार्य या अपनी ओर से किया प्रबंध (3)
19. अवसर की प्रतीक्षा, घात, आत्म (2)
20. अपवित्र, अशुद्ध (3)
22. मस्त, मगन (2)
24. लंबाई के बल जाने और चौड़ाई के बुने जाने वाले धागे (4)
27. माता सरस्वती का एक नाम, दुर्गा (3)
28. समूह, गुट (2)

ऊपर से नीचे

1. युद्ध के लिए सेना की तैयारी (4)
2. पानी का कुंड जो प्रायः बाग-बगीचे में होता है (2)
3. रमण करवाना, अनुराग कराना (3)
4. फरफराना होना, भुलावे में आना (4)
5. पार्वती या लक्ष्मी के नामों में से एक (2)
6. गम-गम शब्द करते हुए कूदना करना (3)
10. रगड़ते हुए इधर-उधर चलना, उमेठना (3)
12. यह वृक्ष सबसे अधिक ऑक्सीजन देता है (3)
14. जिसने नमक खाया हो, [illegible] (3)
16. हाथ से धीरे-धीरे ठोकना (4)
21. पुराणानुसार पृथ्वी के नीचे सात लोकों में से एक लोक माना जाता है (3)
23. जो भाग्य में लिखा हो, नियत (2)
25. उपरांत, पीछे, अनंतर (2)
26. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)

वर्ग पहेली 5569 का हल

दे	त	न	श	मी		य	
ता	न		मी		क	या	स
प		क	म	ला	प	ति	
मी	म	न		ल	ट		ची
	ता	क	ना		है	य	न
गा	पि			बे	श	न	
य	का	र		जा		प	र
क	र	व	ध		ना	ति	न

आज का राशिफल

चेकिंग स्टाफ की सतर्कता के कारण एक नाबालिग बच्ची बची

पिपलियामंडी, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को उप मुख्य टिकट चेकिंग निरीक्षक शंकर राठौर (पिपलियामंडी) मुख्यालय चित्तौड़गढ गाडी संख्या 19817 हल्दिघाटी एक्सप्रेस में टिकट चेकिंग का कार्य कर रहे थे। जावरा से ट्रेन चलने के बाद एस 1 में एक नाबालिग लड़की उम्र लगभग 12 वर्ष अकेली बैठी मिली। टिकट पुछने पर बताया कि उसके पापा ने उसे बैठाया है और वो भी आ ही रहे हैं। चूँकि ट्रेन जावरा से चल चुकी थी तो पुन: उससे पुछा तो उसके बताने का हाव-भाव काफी अलग लग रहे थे। उस लड़की द्वारा बात करने के तरीके को देखकर राठोर ने उसे अपने सीट के पास ही बैठाया तथा पुन: उससे उसके माता-पिता के बारे में पूछा तो बताया कि मुझे अपनी माता-पिता के पास नहीं जाना तथा उनका संपर्क नम्बर भी नहीं बताया। राठोर ने परिस्थिति को समझकर इसकी सूचना वाणिज्य कंट्रोल को दी तथा मंदसौर रेलवे स्टेशन पर उक्त लड़की को आगे की कार्यवाही के लिए रेलवे सुरक्षा बल को सुपुर्द कर दिया। चेकिंग स्टाफ की तत्परता एवं सतर्कता के कारण ही नाबालिग बच्ची को परिवार से बिछड़ने से बचाया जा सका।

हमारे चेकिंग स्टाफ न केवल टिकट चेकिंग से संबंधित कार्यों का कुशलता पूर्वक निष्पादन करते हैं बल्कि इस प्रकार के परिस्थितियों पर भी विशेष ध्यान रखते हैं। इस प्रकार की घटनाएं इस बात का प्रमाण है कि हमारे टिकट चेकिंग स्टाफ न केवल अपने कार्य के प्रति दृढ़संकल्पित हैं बल्कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहण में भी काफी अग्रणी हैं।

खेमराज मीना, जनसंपर्क अधिकारी-रतलाम मंडल

जीसीसीआई की भोपाल बैठक सम्पन्न

जयपुर गौटेक को लेकर बनी रणनीति, गौ आधारित मॉडल को मिलेगा विस्तार

पिपलियामंडी, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ग्लोबल कन्फेडरेशन ऑफ काउ-बेस्ड इंडस्ट्रीज (जीसीसीआई) मध्यप्रदेश की प्रादेशिक बैठक भोपाल स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई। बैठक में गौटेक 2025 जयपुर के लिए प्रदेश से बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने, जिला-तहसील स्तर पर संगठन विस्तार और गौ आधारित मॉडल को बढ़ावा देने हेतु रणनीति तैयार की गई। बैठक के मुख्य अतिथि और पूर्व केंद्रीय मंत्री, जीसीसीआई राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने कहा कि गौ आधारित उद्योग भारत को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। जीसीसीआई गौटेक दिनांक 30-31 मई और 1-2 जून को जयपुर में आयोजित गौटेक 2025 सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि गौ क्रांति का महायज्ञ है। साथ ही आयोजन में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्यमियों और गौसेवकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। बैठककी अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष, जीसीसीआई मध्यप्रदेश दिलीप धनराज गुप्ता पिपलियामंडी ने कहा कि जीसीसीआई का उद्देश्य हर जिले और तहसील तक संगठन का विस्तार कर, प्रदेश के युवाओं और किसानों को गौ आधारित स्टार्टअप्स से जोड़ना है। हमारा लक्ष्य है— गांव-गौ-गौरव को फिर से स्थापित करना। प्रदेश संरक्षक, जीसीसीआई स्वामी कृष्णानन्द जी महाराज ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, यह आध्यात्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक समाधान है। हमें भारत की सनातन परंपरा को विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ना होगा। राष्ट्रीय गौसेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश में गौ संवर्धन को जनआंदोलन बनाना है। गाँव-गाँव तक युवाओं को प्रशिक्षित कर, उन्हें गौ आधारित रोजगार से जोड़ने का कार्य तेज किया जाएगा। बैठक में डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना (वैज्ञानिक, सेंट्रल पॉल्यूशन बोर्ड), जिन्होंने गो-काष्ठ आंदोलन की शुरुआत की, ने बताया कि इस प्रयास से अब तक 5.10 लाख क्विंटल लकड़ी और 3400 एकड़ वन क्षेत्र को बचाया जा सका है। गो-काष्ठ का उपयोग अब शवदाह, होलिका दहन, होटल तंदूर और औद्योगिक बॉयलरों में लकड़ी के विकल्प के रूप में हो रहा है। जीसीसीआई के मध्य प्रदेश मीडिया संयोजक श्री भागीरथ तिवारी ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि जीसीसीआई मध्य प्रदेश की बैठक में जो निर्णय लिए गए है वो इस प्रकार है- गौटेक 2025 – जयपुर में मध्यप्रदेश से अधिकतम सहभागिता का लक्ष्य, जिला और तहसील स्तर पर जीसीसीआई इकाइयों का गठन, हर जिले में 5 मॉडल गौशालाओं का निर्माण, प्रत्येक संभाग में प्रादेशिक बैठक आयोजित करना, युवाओं को गौ संवर्धन व गौ आधारित उद्योगों से जोड़ना। मध्य प्रदेश शासन द्वारा गोशाला की अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये करने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं पशुपालन मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया है। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे एवं कुलपति श्री नरेंद्र थापक ने बैठक में पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया का पौधा भेंट और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। प्रादेशिक बैठक में मुख्य रूप से श्री जवाहरलाल गुप्ता, शैलेश पालीवाल (इंदौर), सुमनलता ताम्रकर, अजय नरेलिया (शाजापुर), मनोज प्रताप सिंह (सतना), गंभीर सिंह राजपूत (नर्मदापुरम), राजेश चौहान (झाबुआ), राम रघुवंशी (अशोकनगर), राजवीर सिंह (मुरैना), ईश्वर अंबोदिया (उज्जैन), भगवान सिंह सिंगोरिया (रायसेन), शिशिर विश्वकर्मा (छिंदवाड़ा), भागीरथ तिवारी (नरसिंहपुर), ए. सी. द्विवेदी (भोपाल), हुकुम सिंह पाटीदार (नीलबड), दीपाली उपाध्याय, अजय सोनी (भोपाल) सहित प्रदेश भर से गौसेवा संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक का संचालन शैलेंद्र तेनगरिया ने किया और आभार पवन दुबे ने व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री कल खिमला में चीते छोड़कर चीता प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे

विधायक, कलेक्टर एवं एसपी ने खिमला एवं रामपुरा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

नीमच, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगामी 20 अप्रैल को नीमच जिले के जावद रामपुरा एवं खिमला ब्लाक में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जावद में 20 अप्रैल को हेलीकॉप्टर से पहुंचकर, वहां सीएम राइज स्कूल भवन के लोकार्पण समारोह एवं हितग्राहियों को हितलाभ वितरण तथा नवीन उद्योगों, विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कर कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात हेलीकॉप्टर से रामपुरा पहुंचकर वहां मेला ग्राउंड पर आयोजित जनसभा कार्यक्रम को संबोधित करेंगे और विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के लोकार्पण भूमिपूजन एवं हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव रामपुरा के कार्यक्रम पश्चात हेलीकॉप्टर से खिमला ब्लॉक के लिए प्रस्थान कर खिमला में चीता प्रोजेक्ट के तहत निर्मित गांधी सागर अभ्यारण के बाड़े में चीते छोड़कर गांधी सागर अभ्यारण प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। विधायक मनासा श्री अनिरुद्ध मारू, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, वनमंडलाधिकारी नीमच श्री एसके अटोदे एवं डीएफओ मंदसौर श्री संजय रायखेरे, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसोदिया, एसडीम श्री पवन बारिया, तहसीलदार श्री मुकेश निगम, थाना प्रभारी रामपुरा श्री आरसी दांगी, रेंजर श्री भानुप्रताप सिंह सोलंकी, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ खिमला मे चीता प्रोजेक्ट के बाड़े के मुख्य द्वार के सामने हेलीपैड निर्माण, बाड़े में बैरिकेडिंग्स, वायर फेंसिंग, सुरक्षा व्यवस्था एवं मंच निर्माण, चीते छोड़ने के कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं संबंधी निर्देश दिए। विधायक श्रीमारू एवं कलेक्टर, एस.पी.ने रामपुरा में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल हेलीपैड मंच स्थल पार्किंग स्थल आदि का निरीक्षण कर, संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने तत्परतापूर्वक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का सर्वोपरी विधान है

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने सोमयज्ञ में दी आहुतियां

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री वल्लभाचार्य नगर कालाखेत प्रांगण में महासोमयज्ञ में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर भी सम्मिलित हुई। और उन्होंने यज्ञशाला में यज्ञवेदी पर बैठकर आहुतियां दी।यज्ञशाला की परिक्रमा लगाई महासोमयज्ञ में शामिल होने पर स्वयं को सौभाग्यशाली बताया। उन्होंने कहा कि हमारे भारत की संस्कृति सनातन परंपराओं पर ही आधारित है और यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का सर्वोपरि धार्मिक विधान है। उन्होंने कहा कि मंदसौर एक धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी है यहां भगवान पशुपतिनाथ की दिव्य प्रतिमा विराजित है ऐसे धार्मिक नगर में सबसे बड़े महायज्ञ का होना वास्तव में इस क्षेत्र के लिए ही नहीं और पूरे के देश के लिए कल्याणकारी होगा। पूर्व संस्कृति मंत्री और वर्तमान विधायक उषा ठाकुर भी महायज्ञ में सम्मिलित हुई और उन्होंने भी यज्ञ की महिमा को प्रतिपादित करते हुए इस महान आयोजन के लिए आयोजन समिति को साधुवाद दिया। सोनकच्छ के विधायक राजेश सोनकर, डग राजस्थान के विधायक कालूराम मेघवाल भी महासोम यज्ञ में आहुति देने आए और यज्ञशाला की परिक्रमा कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

विधायक विपिन जैन और कांग्रेस परिवार भी शामिल हुआ महायज्ञ में– मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन जैन भी उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सोनाली जैन के साथ जोड़े के रूप में महासमुंद यज्ञ में यज्ञ वेदी पर बैठे और वैदिक मंत्र कर के बीच आहुतियां लगे उनकेसाथ ही यज्ञशाला में कांग्रेस परिवार के 17 जोड़े यज्ञ करने सम्मिलित हुए। विपिन जैन ने अपने मनोभाव व्यक्त करते हुए कहा कि मंदसौर नगर की जो धार्मिक परंपरा है उसमें इस महायज्ञ का आयोजन एक विशिष्टअवसर है। आयोजन समिति ने इस विराट महायज्ञ के आयोजन को साकार रूप देखकर वास्तव में बहुत ही प्रशंसनीय कार्य किया है उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस संकल्प के साथ यज्ञ में बैठे हैं वह ईश्वर अवश्य पूरा करेंगे। शो मैया की शाला में मुख्य अत्याचार्य पूज्य बात वैशणवाचार्य गोस्वामी पद्म भूषण डॉ:टर गोकुल उत्सव जी महाराज ने केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर तथा अन्य सभी जनप्रतिनिधियों को ठाकुर जी का उपर ना उड़ा कर आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन समिति के संयोजक सुधीर गुप्ता अध्यक्ष प्रहलाद काबरा महामंत्री ब्रजेश जोशी समन्वयक गौरव अग्रवाल, तथा समिति के सर्वश्री विजय सुराणा, के के बाहेती, उमेश पारेख जीतू पारेख विनय पारेख प्रकाश सिसोदिया, राजेश नामदेव, हेमंत शर्मा, विक्रम भटनागर संजय गोठी, राजेंद्र चाष्टा प्रद्युमन शर्मा बंटी चौहान आदि ने यज्ञशाला में यज्ञ में सम्मिलित हुए इन सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी हेमंत शर्मा ने दी।

यज्ञशाला में हुआ ध्वजारोहण– सोमयज्ञ के विधान में पांचवें दिवस सोमयज्ञ शाला में ध्वजारोहण किया जाता है। ऊंचे मचान पर पांच ध्वजा स्थापित की गई। पूज्य महाराज श्री के सानिध्य में सांसद सुधीर गुप्ता समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, रमेश भाई पारिख मुंबई, ब्रजेश जोशी ने ध्वज पूजन कर ध्वजारोहण किया गया।

चरु प्रसादी खीर लेने उमड़ी भीड़– महासोम यज्ञ के वैदिक विधान में पांचवें दिवस रात्रि के समय चरू यानी अभिमंत्रित खीर की प्रसादी का वितरण किया जाता है।विशेष कर नि:संतान दंपत्ति की गोद भराई कर यह प्रसाद उन्हें ग्रहण करने के लिए दिया जाता है। ताकि उन्हें संतान प्राप्त हो अन्य संकल्प पूरे होने की कामना करने वालों को भी यह प्रसाद वितरित होता है। तो यज्ञ शाला में चरु खीर प्रसाद दी को लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड उमड़ी।

एबीवीपी मंदसौर का सराहनीय प्रयास...

गौ माता की सुरक्षा हेतु पहनाए रेडियम बेल्ट

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मंदसौर द्वारा आज गौ माता की सेवा एवं सुरक्षा हेतु एक प्रेरणादायक अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर घूम रही गौ माताओं को रेडियम बेल्ट पहनाकर उनकी रक्षा का बीड़ा उठाया।

कार्यक्रम का उद्देश्य था कि रात्रि के समय सड़क पर चलने वाले वाहनों को गौ माता आसानी से दिखाई दें, जिससे दुर्घटनाओं से उन्हें बचाया जा सके। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने शहर की सड़कों पर घूम रही गौ माताओं को खोज-खोज कर रेडियम बेल्ट पहनाए और उन्हें स्नेहपूर्वक सेवा भी प्रदान की। इस सेवा कार्य में मंदसौर पीजी कॉलेज परिसर अध्यक्ष अमित गुप्ता, मंदसौर भाग संयोजक चंद्रराज सिंह पंवार, पूर्व नगर मंत्री रोहन मारोठिया, नगर महाविद्यालय प्रमुख ध्रुव पालीवाल, तथा कार्यकर्ता भावेश, शलोक, दक्ष, उदित, मोहित, अंकित, राहुल, सर्वज्ञ, सुमित सहित अन्य साथी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह सिर्फ एक दिन का कार्य नहीं है, बल्कि यह सतत चलने वाला अभियान है जो समाज में गौ सेवा की भावना को और अधिक प्रबल करेगा।

बालिका अवनी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सेंट थॉमस विद्यालय की छात्रा अवनी पिता रूपेश डगवार स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा इंफाल मणिपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी अधिक जानकारी देते हुए फुटबॉल प्रशिक्षक राकेश श्रीवास्तव ने बताया अवनी विदिशा में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किए गए अपने प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित हुई है इससे पहले भी कई बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले चुकी है अवनी सेंट थॉमस विद्यालय कक्षा 12वीं की छात्रा है व नियमित रूप से फुटबॉल का अभ्यास करती रही है अवनी के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने पर सेंट थॉमस विद्यालय के मैनेजर फादर जॉनसन प्राचार्य सिस्टर अभया उप्राचार्य सिस्टर क्रिस्टीना सेंट थॉमस विद्यालय खेल प्रशिक्षक कुलदीप सिंह चौहान, त्रिभुवन कविश्वर, रवि कोपरगांवकर, जितेंद्र कनौजिया, जय सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी

सीए छात्रों के लिए द्वितीय मॉक टेस्ट सीरीज का शुभारंभ

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीए ब्रांच मंदसौर द्वारा आगामी मई में आयोजित होने वाली सीए परीक्षाओं की तैयारी हेतु इंटरमीडिएट व फ़ायनल परीक्षा हेतु द्वितीय मॉक टेस्ट सीरीज का शुभारंभ 18 अप्रैल से किया गया।

इस अवसर पर ब्रांच चेयरमैन सीए राजेश मंडवारिया ने बताया कि इस टेस्ट सीरीज का उद्देश्य छात्रों को परीक्षा पूर्व समुचित अभ्यास प्रदान करना है, जिससे वे परीक्षा के वास्तविक वातावरण में स्वयं को मानसिक रूप से तैयार कर सकें। उन्होंने बताया कि मॉक टेस्ट सीरीज के प्रथम चरण की शुरुआत चार मेधावी छात्रों द्वारा की गई थी, जो कि एक प्रेरणादायक पहल थी। विद्यार्थियों की विशेष माँग पर अब द्वितीय चरण में पहले ही दिन 15 छात्रों द्वारा पंजीकरण करवाया गया, जो कि छात्रों की जागरूकता, मेहनत और प्रतिस्पर्धा की भावना को दर्शाता है। यह भागीदारी आने वाले दिनों में और भी बढ़ने की उम्मीद है। सिकासा चेयरमैन सीए अर्पित मेहता ने कहा कि इस प्रकार की मॉक टेस्ट सीरीज से न केवल छात्रों को अपनी तैयारी जांचने का अवसर मिलेगा, बल्कि उन्हें समय प्रबंधन, उत्तर लेखन कौशल और परीक्षा की रणनीति बनाने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यास छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम में सीए ब्रांच मन्दसौर के उपाध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल, सचिव सीए नितेश भदादा, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागर, सिकासा चेयरमैन सीए अर्पित मेहता, सीपीई कमेटी चेयरमैन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने भी सहभागिता की और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। छात्रों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास उन्हें परीक्षा से पूर्व आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करेगा।

जन-जन के सहयोग से सफल होगा जल गंगा संवर्धन अभियान

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर नवांकुर संस्था एवं परामर्शदाता प्रत्येक प्रस्फुटन ग्राम तक पहुंचे और समाज के सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाएं। प्रचार-प्रसार के साथ ही दीवार लेखन भी गांव में जन सहयोग से किया करें। यह बात मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय ने मंदसौर में नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं परामर्शदाताओं को संबोधित करते हुए कही।

संभाग समन्वयक शिवप्रसाद मालवीय ने कहा कि नवांकुर संस्थाएं आदर्श ग्राम को लेकर जो कल्पना की गई है, उस कल्पना अनुरुप कार्य करें वाचनालय, जनसुचनाकेन्द्र, संस्कार केंद्र के साथ ही नर्सरी की स्थापना करें। पौधारोपण के लिए स्थान चयन करें। सभी गतिविधियां मोबाइल ऐप पर अपलोड करें। इसके साथ ही परामर्शदाता मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की परीक्षा को लेकर असाइनमेंट, प्रोजेक्ट, आंतरिक मूल्यांकन का कार्य 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। संस्कार केंद्र के माध्यम से बच्चों को संस्कार दिये जाएं। संभाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय ने कहा कि ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां श्रेष्ठ कार्य करे। जैविक खेती को लैकर भी सभी को जागरूक करें।समीक्षा बैठक को जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी, विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा, अर्चना भट्ट ने भी सम्बोधित किया। बैठक में जिले केसभी नवांकुर संस्थाओ के प्रतिनिधि एवं परामर्शदाता उपस्थित थे। यह जानकारी परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने दी।

अब अटेंडेंस के साथ लोकेशन भी बताना होगी जरूरी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल । केंद्र सरकार ने देश के सभी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और शिक्षकों की उपस्थिति को और पारदर्शी बनाने के लिए एक नया नियम लागू करने की योजना बनाई है। अब मेडिकल कॉलेजों में अटेंडेंस दर्ज करने के साथ-साथ जीपीएस आधारित लोकेशन भी देना अनिवार्य होगा। यह नियम 24 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने इसके लिए एक फेस आधारित आधार प्रमाणीकरण मोबाइल ऐप विकसित किया है, जिसके माध्यम से डॉक्टरों और फैकल्टी को अपनी उपस्थिति और लोकेशन दर्ज करनी होगी। इस कदम का उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों में अनुशासन और जवाबदेही को बढ़ाना है, ताकि शिक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके। सभी मेडिकल कॉलेजों के शिक्षकों और डॉक्टरों को रोजाना अपनी अटेंडेंस ऐप के जरिए लगानी होगी। अटेंडेंस के साथ उनकी वास्तविक लोकेशन जीपीएस के माध्यम से सत्यापित की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि फैकल्टी और डॉक्टर कॉलेज परिसर में मौजूद हैं और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

शराबबंदी का कदम सराहनीय, परन्तु बंद होना चाहिए सम्पूर्ण प्रदेश में शराबबंदी

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. के माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी ने 1 अप्रैल से प्रदेश के 19 अध्यात्म दृष्टिसे पवित्र नगरों में शराबबंदी जो लागू की है सचमुच एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है। परन्तु पूरे प्रदेश का स्वास्थ्य और पवित्र वातावरण के लिये यह सही सराहनीय कदम तब सिद्ध साबित होगा जब पूरे प्रदेश में शराबबंदी कानून लागू कर दिया जावेगा। कारण कि जिस नगर में शराब बंदी की है वहां शराब की दुकानें तो बंद हो गई परन्तु उस नगर की ठीक सीमा के बाहर ही शराब दुकानें लगी हुई है, पीने वाले प्रेम से वहां से शराब खरीदकर पहले तो जहां अलग-थलग स्थित दुकानों में बैठकर पी लेते थे परन्तु अब वै घर में बैठकर पत्नि बच्चों के सामने बैठकर प्रेम से सबके सामने गटकने लग जायेगा तो उस परिवार का वातावरण पहले से ज्यादा बिगड़ेगा और तब परिवार का वातावरण शुद्ध व शांति कायम रहेगी अथवा और ज्यादा अशांति हो जायेगी।

सम्पूर्ण प्रदेश में शराब बंदी से जो नुकसान होगा वह केवल राजस्व का होगा। राजस्व भरपाई का जुगाड़ खनिज सम्पदा आदि और कई साधनों से किया जा सकता है। 2012 में निर्भया कांड के बाद नन्हीं मासूम बच्चियां से लेकर नाबालिक किशोरियों-महिलाओं के साथ जो बलात्कार गैंगरेप और अन्त में हत्याओं के जो मामले जिनमें म.प्र. भी पीछे नहीं है, वासना के भूखे भेड़ियों के कारण वासना के ये मामले अधिकांश शराबी दरिंदों के द्वारा हुए है। सम्पूर्ण प्रदेश में शराब बंदी से सबसे बड़ा फायदा उन मेहनतकश मजदूरों को होगा जो दिन भर गेंती फावड़ा चलाकर खून पैसा एक कर जो पैसा कमाते है वह रात को पास की शराब की दुकान में जाकर उड़ा देते है, उससे उस गरीब मजदूर का परिवार बच जायेगा। योग ऋषि बाबा रामदेव के अनुसार 57 मुस्लिम देशों में कहीं भी शराब के ठेके नहीं मिलेंगे तो सम्पूर्ण भारत में नहीं तो कम से कम प्रदेश में तो बंद होना ही चाहिए। किसी भी धार्मिक नगर को पवित्र नगर भी तब माना जायेगा तब वहां केवल शराब ही नहीं मटन-मांस दुकानों पर भी प्रतिबंध होगा। जिस पवित्र नगरी के चौराहों-आम सड़कों पर खुले ठेलों पर उबलते अण्डों की दुर्गन्ध से आने जाने वाले अधिकांश शाकाहारी लोगों को नासिका पर रूमाल ढककर निकलना पड़ता हो तो वह नगर कैसे पवित्र देव नगर कहा जायेगा। होना यह चाहिए कि जिनको आध्यात्मिक देव नगर मानकर शराब बंदी की है, उनमें नानवेज (मांसाहार) अण्डों के ठेले आदि की बिक्री पर भी रोक लगाना चाहिए या फिर इन्हें उस नगर की सीमा से बाहर पृथक स्थान पर लगवाना चाहिए।

बंशीलाल टांक, मंदसौर

भाकिसं के प्रदेश प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट के मामले में रखा किसानों का पक्ष, किसान की सलाह व विश्वास में लिए बिना न हो भूमि अधिग्रहण

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय किसान संघ के प्रदेश प्रतिनिधि मंडल ने किसानों की समस्याओं व मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा विधानसभा में पारित भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट के विषय पर किसानों की शंकाओं व उनके पक्ष को मजबूती के साथ रखा। किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को कृषि व किसान के लिए नीतिगत निर्णय करते समय किसान को विश्वास में लेना चाहिए। किसान व किसानों के संगठनों से भी सलाह लेकर उससे प्रभावित होने वाले पहलुओं पर चर्चा करना चाहिए।

बैठक में हुई चर्चा की जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री चंद्रकांत गौर ने बताया कि भारतीय किसान संघ के तीनों प्रांतों, प्रदेश व अखिल भारतीय पदाधिकारियों के सामने सरकार के अधिकारियों ने मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2025 का प्रजेंटेशन रखा। जिसके बाद किसान संघ ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सुझाव रखे।

जिला इकाई मन्दसौर प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश चौधरी जाट ने बताया कि बैठक में सुझाव रखे कि किसान की सलाह व सहमति के बिना विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण न किया जाये, अधिग्रहित भूमि पर विकसित होने वाली परियोजना की समय सीमा तय की जाये।, तय सीमा में परियोजना पूर्ण न होने पर भूमि किसान को वापिस की जाये या वर्तमान बाजार मूल्य से मुआबजा दिया जाये। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र में भूमि मालिक को विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा दिया जाये। यदि 5 एकड़ से कम जोत वाले छोटे किसान की लेंड पुलिंग एक्ट में पूरी जमीन अधिग्रहीत किये जाने पर परियोजना पूर्ण होने तक किसान को जमीन का किराया दिया जाये। जनजातीय क्षेत्रों में विकास परियोजनाओ के लिये भू अधिग्रहण करते समय वहां की सांस्कृतिक, सामाजिक परंपराओं और धरोहरें प्रभावित न हो। इसका ध्यान रखा जाये। शासन के मानक अनुसार लेंड पुलिंग एक्ट योजना में पूर्ण विकसित भूमि व्यावसायिक व आवासीय में 60 प्रतिशत जमीन भूमि स्वामी व 40 प्रतिशत अन्य डेवलपर को दी जाये। विकास परियोजना के लिये

भू अधिग्रहण के दौरान किसान को बाजार मूल्य का 4 गुना मुआवजा दिया जाये। भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसान के परिवार के एक सदस्य को शैक्षणिक योग्यतानुसार परियोजना में नौकरी दी जाये। किसी व्यवसायिक परियोजना में भू अधिग्रहण किये जाने पर परियोजना से प्राप्त कुल लाभांश का 20 प्रतिशत भू स्वामियों में बांटा जाये। किसानों की जमीन अधिग्रहित कर उद्योगों को न दिया जाये। जनहित में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित भूमि स्वामियों की सलाह लेकर ही परियोजना विकसित की जाए। केवल राजपत्रित अधिकारी की राय को ही जनहित न माना जाएं। सिंचित बहुफ़सली वाली किसान की भूमि को अधिग्रहण न किया जाए। भूमि अधिग्रहण जिस उद्देश्य के लिए किया जा रहा उसकी डीपी आर सार्वजनिक रखी जाए। भू अधिग्रहण के समय जिस उद्देश्य के लिए भूमि अधिग्रहित की गई है। अधिग्रहण होने के बाद वह उद्देश्य परिवर्तन नहीं होना चाहिए और न ही किसी को लीज पर दी जाए। जिस परियोजना के नाम पर किसान की भूमि ली जा रही है, उस परियोजना के प्रारंभ के पूर्व किसान, सरकार व डेवलपर की समिति बनाई जाए। उस समिति के निर्णय उपरांत ही कोई कार्य उस भूमि पर हो।

2025 में डिफाल्टर हुए किसानों का ब्याज भरेगी मोहन सरकार– सहकारी बैंकों के ऋण 31 मार्च तक जमा न कर पाने के कारण डिफाल्टर हुए किसानों के विषय को मुख्यमंत्री को किसान संघ ने अवगत कराया गया। तो मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि ऐसे किसानों का ब्याज सरकार भरेगी। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। बैठक में भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष राम भरोस वासोतिया अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य राजेंद्र पालीवाल , क्षेत्र संगठन मंत्री महेश चौधरी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, मुकेश चौधरी जाट प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, चंद्रकांत गौर प्रदेश महामंत्री, रमेश दांगी प्रांत महामंत्री, लक्ष्मी नारायण पटेल प्रांत अध्यक्ष, मनीष शर्मा प्रांत संगठन मंत्री, गिरिजा देवी ठाकुर, सर्वज्ञ दीवान प्रांत अध्यक्ष, जगराम यादव, , प्रहलाद पटैल, शिवनंदन रघुवंशी, योगेन्द्र भामु, आर सी पटेल आदि शामिल थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय कुमार शुक्ला, कृषि सचिव एम सेलवेंद्रन एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

नीमच, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.शासन द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए संचालित टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए है। स्वरोजगार परियोजनाओं के लिए राशि दस हजार से एक लाख रूपये तक, ओवदक की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक का जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड समग्र आईडी एवं पासपोर्ट साईज का एक फोटो संलग्न कर आवेदन कर सकते है। योजना के तहत ब्याज अनुदान अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से अनुदान, अधिकतम 5 वर्षों तक (मोरेटोरियम अवधि सहित) नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा। म.प्र. शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। आवेदक samast.mponline.gov.in पोर्टल पर आवेदन कर सकते है।

तीन घंटे में 03 गुमशुदा..

पेज 1 से जारी

मनासा पुलिस से संपर्क साधा। बाद में मनासा पुलिस ने बालिकाओं को खोजा। इसके बाद रात में मंदसौर की वायडी नगर पुलिस मनासा पहुंची। यहां से बालिकाओं को लेकर मंदसौर आई और परिजनों के सुर्पुद किया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को लेकर पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और परिजनों ने डीआईजी, पुलिस कप्तान और वायडी नगर थाना पुलिस का आभार मानते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

तहसीलदार की आधी अधूरी जांच में पड़ोसियों ने किया चौकाने वाला खुलासा....

पुलिस वाले के सरकारी क्वार्टर में दो साल से संचालित हो रही थी अवैध गतिविधियां

क्या दो साल में भी तहसीलदार को इन अवैध गतिविधियों की भनक तक नहीं लगी, तहसीलदार की इस घोर लापरवाही ने पूरे प्रशासन पर एक प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया

सुवासरा, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। 110 साल पुराने शासकीय 52 क्वार्टर के नाम से प्रसिद्ध आवासीय क्वार्टर की जांच रिपोर्ट आखिरकार सीतामऊ अनुविभागी अधिकारी के पास पहुंच गई। 5 दिन पहले ✻दैनिक गुरु एक्सप्रेस✻ ने 52 क्वार्टर मैं अवैध निवास कर रहे शासकीय कर्मचारीयो का एक समाचार प्राथमिकता से प्रकाशित किया था। इसके बाद डेढ़ माह पहले हुई जांच रिपोर्ट को तहसीलदार ने एसडीएम कार्यालय पहुंचाया।

जांच रिपोर्ट देखने पर पता चलता है की जांच करने के बाद जो रिपोर्ट बनाई गई उसमें भी कई खामियां हैं। किसी कर्मचारी का निजी मकान नहीं है तो उसका मकान दर्शा कर उसे निरस्त करने की बात कही गई। और किसी कर्मचारी का निजी मकान है तो उसे जांच में नही दर्शाया गया। इतना ही नहीं जो कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो चुका है उसे कार्यरत बता उसके नाम से क्वार्टर दशा रखा है। जबकि जो अभी वर्तमान में नौकरी कर रहा कर रहा है उसको सेवानिवृत्ति बता कर उसके आवंटन को निरस्त करने का अभिमत दिया है। रिपोर्ट में यहां से स्थानांतरित हुए एक पुलिस कर्मचारी के नाम से एक क्वार्टर दर्शाया गया है।पड़ोसी किराएदारों ने जांच अधिकारी को बताया है कि पिछले 2 साल से उसमें अवैध गतिविधियां संचालित हो रही है ।और इसी 52 क्वार्टर में एक व्यक्ति चिकित्सालय संचालित कर रहा है। वर्षो पुराने इस शासकीय 52 क्वार्टर में लंबे समय से कई कर्मचारी गलत जानकारी शासन को देकर निवास कर रहे हैं। आश्चर्य की बात है ना तो स्थानिय प्रशासन ने कभी यहां पर जांच करने की कोशिश की और ना ही अनुविभागीय अधिकारी जहां से इन क्वार्टरों का आवंटन होता है उन्होंने कभी इस शासकीय इमारत की जांच पडताल की। अभी 52 क्वार्टर के नाम से प्रसिद्ध इस शासकीय भवन में 48 क्वार्टर मौजूद है। जांच रिपोर्ट में इनमें से 29 क्वार्टर में निवास कर रहे शासकीय कर्मचारी अवैध पाए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद एसडीएम में उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की बात कही है। आश्चर्य की बात है जो पुलिसकर्मी यहां से स्थानांतरित होकर चला गया है उसके बाद भी उस क्वार्टर में पिछले कई समय से अवैध गतिविधियां संचालित हो रही है। जबकि इसके नजदीक के क्वार्टर में ही सुवासरा थाना प्रभारी निवास करते हैं एक पुलिस अधिकारी के नाक के नीचे दूसरा पुलिस कर्मचारी शासकीय वाटर में अवैध गतिविधियां संचालित कर रहा है और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। शासकीय आवास में इस तरह से क्वार्टरों की बंदर बांट की गई जिसके कारण जरूरतमंद शासकीय कर्मचारी अभी भी निवास के लिए दर-दर भटक रहे हैं और अधिक दामों में उनको दूसरे प्राइवेट मकान में रहना पड़ रहा है।

ये कहते है जिम्मेदार–जांच रिपोर्ट बनाकर वरिष्ठअधिकारी के यहां भेज दी है आगे की कार्यवाही उनके दिशा निर्देश के अनुसार ही होगी।

मोहित सिनम
प्रभारी तहसीलदार सुवासरा

शासकीय 52 क्वार्टर भवन की जांच रिपोर्ट मेरे पास आ गई है शीघ्र ही इनके खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें वहां से बेदखल किया जाएगा। इसके साथ ही बाजार मकान किराया मूल्य के हिसाब से इनसे राशि वसूली जाएगी।

शिवानी गर्ग
एस डी एम सीतामऊ

बंगाल की स्थिति चिंताजनक, राष्ट्रपति शासन लगाया जाए

विहिप व बजरंग दल ने ममता बनर्जी का पूतला फूंका, ज्ञापन भी दिया

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंगदल जिला मंदसौर मालवा प्रांत द्वारा पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के साथ लगातार हो रही हिंसा और अत्याचार के विरोध में कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका व महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिा प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है, उससे स्पष्ट लगता है कि बंगाल की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। मुर्शिदाबाद से प्रारम्भ हुई यह भीषण हिंसा अब संपूर्ण बंगाल में फैलती हुई दिखाई दे रही है। शासकीय तंत्र दंगाइयों के सामने केवल निष्क्रिय ही नहीं अपितु कई स्थानों पर इनका सहायक या प्रेरक बन गया है। इससे पहले कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए, केंद्र सरकार को प्रशासन का नियंत्रण व संचालन अपने हाथ में लेकर राष्ट्र विरोधी व हिंदू विरोधी तत्वों को उनके कुकर्मों के लिए कठोरता सजा दिलवानी चाहिए। बंगाल की स्थिति से स्पष्ट है कि ममता सरकार भारत के संघीय ढांचे को बंगाल में ध्वस्त कर अपनी सरकार और वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती है। बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ चुकी है।बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को निर्बाध रूप से आने दिया जा रहा है। उनके आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। पाकिस्तानी तथा बांग्लादेशी आतंकी संगठनों की सक्रियता बढ़ती जा रही है। हिंदुओं के प्रति हिंसा बढ़ती जा रही है और न्यायालय के आदेश पर ही हिंदू त्योहारों को अनुमति मिल पाती है। उनको सुरक्षा देने वाले अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाया जाता है। हिंदू का अस्तित्व खतरे में पड़ चुका है। कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से नष्ट हो चुकी है।तृणमूल के असामाजिक तत्व व जिहादी गुंडो के नियंत्रण व निर्देश पर ही प्रशासन काम करने के लिए विवश है। महामहिम राष्ट्रपति से मांग की कि बंगाल में अविलंब राष्ट्रपति शासन लगाया जाए । बंगाल की हिंसा की जांच एनआईए के द्वारा करवाई जाए और दोषियों को अविलंब दंडित किया जाए। बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में दिया जाए। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनको निष्कासित किया जाए। बंगाल व बांग्लादेश की 450 किलोमीटर की सीमा पर तार लगाने का काम अविलंब प्रारंभ किया जाए जिसे ममता बनर्जी ने रोका हुआ था। इस अवसर पर सर्वश्री गुरचरण सिंह बग्गा, डॉ प्रवीण मंडलोई, रविप्रतापसिंह बुंदेला, कन्हैयालाल सोनगरा, हेमन्त बुलचन्दानी, रूपनारायण जोशी, कमल कोठारी, नंदू आडवाणी, एमपी सिंह परिहार, सत्येंद्रसिंह सोम, रविंद्र पांडेय, वीरेंद्र आर्य, सुभाष गुप्ता, विनोद मेहता, निरंजन भारद्वाज, अरविंद चौहान, हरीश टेलर, लक्की बाडोलिया, प्रदीप चौधरी, अमरदीप कुमावत, कन्हैया लाल धनगर, शंकर शर्मा, वर्दीचन्द कुमावत, रूपनारायण मोदी, प्रतीक व्यास, विनोद जाट, मनीष भाटी, विनोद प्रजापति, मुकेश चनाल, गोविंद नागदा, प्रेमलता आचार्य, विद्या उपाध्याय सहित बडी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक, समाज प्रमुख एवं विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रमुख उपस्थित थे। उक्त जानकारी विहिप प्रचार प्रसार प्रमुख गोविंद पेंटर द्वारा दी गई।

श्री सिद्धी विनायक गणेश मन्दिर पर भण्डारा 27 को

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री सिद्धी विनायक गणेश मन्दिर पर भण्डारा 27 अप्रैल रविवार को मन्दसौर : सिद्धी विनायक गणेश मन्दिर जिला सहकारी बैक परिसर नई आबादी मन्दसौर पर सिद्धी विनायक गणपति उत्सव समिती द्वारा आयोजित श्री गणेशजी की महाआरती एवं दसम विशाल भण्डारा 27 अप्रैल रविवार प्रात: 10 बजे से रखा गया है।

उत्सव समिती के अध्यक्ष श्री पुरषोत्तम चंदवानी व श्री पारस मावर ने धर्म प्रेमी सजनों से आग्रह है की गणेश मन्दिर की आकर्षक साजसज्जा विद्युत रोशनी से मंदिर जगमगायेगा एवं भक्तो को परेशानी न हो गर्मी से बचने की। उत्तम व्यवस्था के साथ महा आरती एवं विशाल भण्डारा में पधार कर धर्मलाभ है। मन्दिर समिती के स्थायी पदाधिकारीगण संरक्षक श्री राजेन्द्र अग्रवाल श्री त्रिलोक सिंध नारंग संयोजकगण सर्व श्री दिलीप मेहता (पद्मश्री) श्री दिनेश सेठिया, श्री प्रदिप चन्दवानी, उपाध्यक्ष गण सर्व श्री सुरेश कालानी, अशोक छिगावत श्री मिलिंद जिलेवाल, श्री रमेशचन्द्र गंगवानी, श्री प्रवीण गुप्ता सह सचिव श्री निलेश जैन कोषाध्यक्ष श्री योगेश याग्निक, सहकोषाध्यक्ष श्री जगदीश सेठिया, श्री सन्नी बुलचन्दानी कार्यसमिती सदस्य सर्व सर्व श्री सुंदर आजना, कपिल सैनी, कमलेश बटवाल, श्री मुकेश प्रजापत, श्री रमेश सिंह राठौड़, श्री बसंत प्रजापत साहित नियमित भक्ति में धर्म प्रेमी सज्जनों माता बहनो से अनुरोध किया की भण्डारा आयोजन में सम्मलित होकर धर्म लाभले। उक्त जानकारी समिति सचीव श्री पारस मवार ने दी।

✻संयुक्त उठावना✻

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड रहा है कि प्रबोध, प्रवीण, मनोज के काका जी, शैलेन्द्र, विवेक के बड़े पिता जी, नितेश सागर, सौरभ, राहुल, वेदांत, रूद्र के दादा जी एवं ललित के पू.पिता श्री शिवदत्त जी ओझा का स्वर्गवास दिनांक 17 अप्रेल 2025 को हो गया था। जिनका सयुक्त उठावना दिनांक - 19 अप्रैल 2025 (शनिवार) समय - प्रात: 11:30 पर स्थान - सुदामा पूरी धर्मशाला, भेरुजी नीम के पास, मनासा पर रखा गया है।

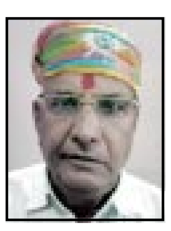

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
शर्मा परिवार मंदसौर एवं ओझा परिवार कुकडेश्वर, मनासा

✻ उठावना ✻

हमारी पूज्य माताजी एवं शैलेंद्र व हर्षित की दादीजी श्रीमती माणकबाई सोमानी का स्वर्गवास दिनांक 17 अप्रैल 2025, गुरुवार को हो गया है।जिनका उठावना दिनाँक 19 अप्रैल 2025, शनिवार को दोपहर 2:00 बजे गीता भवन मन्दिर, गीता भवन रोड, मन्दसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
सत्यनारायण, अनिल कुमार व राजेश कुमार सोमानी
✻ बैठक का समय ✻
शाम को 5 से 7 बजे तक

✻संयुक्त उठावना✻

मेरी व स्व देवीलालजी भूतडा की बहिन, श्यामसुंदर अनिल व संतोष के भुवाजी श्रीमती माणकबाई सोमानी (मंदसौर) का स्वर्गवास हो गया है। जिनका संयुक्त उठावना दिनांक 19 अप्रैल 2025 शनिवार को गीता भवन मन्दिर, गीता भवन रोड, मन्दसौर पर दोपहर 2:00 बजे रखा गया हैं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
मनोहरलाल भूतडा
मंदसौर (पटलावद वाले)

श्री द्विमुखी चिन्ताहरण गणपति की प्रतिमा अद्भूत, अलौकिक और दिव्य हैं-पूज्य शंकराचार्य

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा पीठाधीश्वर शंकराचार्य जगतगुरु श्री ज्ञानानन्द तीर्थ स्वामी जी ने स्थानीय जनकुपुरा गणपति चौक स्थित श्री द्विमुखी चिन्ताहरण गणपति जी के दर्शन एवं आरती करने के पश्चात उपस्थित भक्तो को आशीर्वचन देते हुए कहा कि ऐसी अलौकिक ओर दिव्य प्रतिमा भगवान गणेश की ओर कही देखने को नही मिलेगी। भगवान गणेश के पीठ दर्शन में भी गणेश जी के दर्शन हो रहे हैं जो अपने आप मे एक अद्भुत हैं।

शंकराचार्य जी ने कहा कि पूरे देश में भगवान के अलग-अलग रूप देखने को मिलते हैं लेकिन भगवान गणेश जी की ऐसी अद्भुत एवं दिव्य प्रतिमा सिर्फ मंदसौर शहर में देखने को मिली है भगवान गणेश जी के अग्र भाग में पांच सूंड है जबकि पृष्ठ भाग में एक सूंड हैं और सेठ जी का रूप धारण किए हुए ऐसी विरली प्रतिमा के दर्शन करके में स्वयं धन्य हो गया हूं।फ आपने भक्त गणों से आव्हान किया कि एक बार मंदसौर शहर में आकर भगवान गणेश जी के दर्शन अवश्य करे । स्वामी जी ने कहा कि भगवान गणेश जी के मंदिर के नवनिर्माण की परिकल्पना निश्चित रूप से साकार होगी और यह मंदिर अपने आपमे जग प्रसिद्ध मंदिर के रूप में अपनी पहचान विश्व स्तर पर बनाएगा। श्री द्विमुखी चिन्ताहरण गणपति मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा ने भगवान गणेशजी की प्रतिमा के इतिहास एवं शीघ्र ही मन्दिर का नव निर्माण किये जाने की जानकारी से स्वामी जी को अवगत कराया। मंदिर समिति की ओर से स्वामी जी का स्वागत एवं भगवान गणेश जी की तस्वीर प्रदान कर सम्मान अध्यक्ष दिलीप शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल , सचिव गोपाल मंडोवरा, कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंहल, ट्रस्टी रमेश काबरा और पार्षद सुनील बंसल, समाजसेवी रविन्द्र पांडे, जितेश व्यास, पत्रकार अनिल सँगवानी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तो ने किया।

संतों पर जानलेवा हमला शर्मनाक है-बोराना

पिपलियामंडी, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पिछले दिनों सिंगोली क्षेत्र मे मंदिर मे विराजित जैन संतों पर असामाजिक तत्वों द्वारा किये गये जानलेवा हमले की विद्वता परिषद के सदस्यों ने कडे शब्दों मे निंदा की है। स्थानीय अध्यक्ष शिक्षाविद श्री श्यामलाल बोराना ने कहा की महान तपस्वी, साधक और विश्व को अहिंसा का संदेश देने वाले संतों पर प्राणघातक हमला गुंडों का कायराना कृत्य है इस लोमहर्षक घटना ने करोड़ों धर्मावलंबियों के दिल को झकझोर दिया है। श्री बोराना ने कहा की महान संतों ने भले ही हमलावरों को क्षमा कर दिया हो परंतु प्रशासन इन्हें सख्त से सख्त सजा दे। विद्वता परिषद के संयोजक ओमप्रकाश गहलोत, संरक्षक अशोक कुमठ, डॉ. प्रदीप शर्मा, आचार्य सत्येंद्र आर्य, परामर्शदाता साहेबलाल पामेचा, प्रवक्ता रमेश तेलकार, रामेश्वर फरक्या व बाबूलाल नागर, सचिव कवि मुकेश निडर, सहसचिव अनिल गुर्जर, सदस्यगण श्री भंवरलाल सैनी, बालूराम कराड़ा आदि ने भी बदमाशों के इस कुत्सित कृत्य को अमानवीय बताते हुवे अविलंब कठोर दंड देने की मांग की है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 28 को

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला सड़क सुरक्षा समिति सदस्य सचिव द्वारा बताया गया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 28 अप्रैल 2025 को जनसुनवाई के पश्चात दोपहर 1:00 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित होगी।

साधारण सभा की बैठक 29 को

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक जिला जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्य क्षता में आयोजित होगी। बैठक 29 अप्रैल 2025 दोपहर 01.00 जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित होगी।

प्रदेश में अब सरकारी स्कूलों के टीचर्स की अटेंडेंस चेहरा दिखाकर लगेगी

भोपाल, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अब सरकारी स्कूलों से शिक्षक गायब नहीं रह पाएंगे। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने नई पहल की है। प्रदेश के करीब चार लाख शिक्षकों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज होगी। यह एप शिक्षकों की लोकेशन दर्ज करेगा साथ ही आनलाइन चेहरा दिखाई देने पर ही उपस्थिति लगेगी। गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलेंगे तो जुलाई से शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य कर दी जाएगी।

प्रदेश के 99,145 स्कूलों में से केवल 8,051 स्कूलों में ही शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति एम शिक्षा मित्र एप से दर्ज की जा रही है यानी 91,094 स्कूलों में इसका उपयोग ही नहीं हो रहा है। जबकि यह व्यवस्था अनिवार्य की गई थी। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े होते रहते हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी इस बात को कई बार स्वीकार कर चुके हैं कि प्रदेश में कुछ जिलों में शिक्षक स्कूल नहीं जाते हैं। उनके स्थान पर दूसरे लोग पढ़ाने जाते हैं। वहीं कुछ शिक्षक स्कूलों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते हैं। तीन बार व्यवस्था बनाई गई लेकिन फेल हो गई। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2017, वर्ष 2020 और वर्ष 2022 में प्रयास किया। ऑनलाइन उपस्थिति एम शिक्षा मित्र एप के जरिए शुरू की गई थी। लेकिन शिक्षकों ने इस प्रक्रिया का विरोध किया। कभी स्मार्ट फोन न होने तो कभी नेटवर्क न मिलने का बहाना बनाया गया। ऑनलाइन उपस्थिति से कन्नी काटी जाती रही। कई कारणों से यह प्रक्रिया ठीक से लागू नहीं हो पाई।

नए एप में गड़बड़ियों को किया गया दूर– एम शिक्षा मित्र एप से उपस्थिति लगानी अनिवार्य की गई थी लेकिन इसके माध्यम से नेटवर्क मिलने पर ही उपस्थिति लगती थी। इसमें लोकेशन व चेहरा पहचान कर उपस्थिति लगाने का विकल्प नहीं होने से बहुत गड़बड़ियां होती थीं। सार्थक एप में इन्हें दूर कर लिया गया है।

अवकाश के लिए भी कर सकेंगे आवेदन–सार्थक एप की नई व्यवस्था में कर्मचारी व शिक्षक छुट्टी के लिए भी आवेदन कर सकेंगे और शासन से किसी भी प्रकार का कार्यालयीन पत्राचार इस एप से हो जाएगा। दरअसल, सार्थक एप मध्य प्रदेश सरकार के पोर्टल से जुड़ा नवीनतम मोबाइल एप्लीकेशन है।

सरकारी स्कूलों में अब शिक्षकों की सार्थक एप के माध्यम से आनलाइन उपस्थिति दर्ज की जाएगी। इस बार इसे बेहतर तरीके से लागू किया जाएगा। जुलाई से यह अनिवार्य कर दिया जाएगा।

उदय प्रताप सिंह
मंत्री, स्कूल शिक्षा विभाग

लैंगिक उत्पीड़न स्थानीय परिवाद समिति का पुनर्गठन

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बताया गया कि महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 अंतर्गत ऐसे कार्यालय जहाँ दस से कम कर्मचारी हो तथा वहाँ आंतरिक परिवाद समिति का गठन नहीं है वहाँ स्थानीय परिचाद समिति के गठन का प्रावधान है। उक्त समिति में एक अध्यक्ष एवं चार सदस्य जो निम्नानुसार होगे-अध्यक्ष जो सामाजिक कार्य के क्षेत्र में प्रख्यात और महिलाओं के लिए प्रतिबद्ध हो आवेदन कर सकेगी।एक अन्य सदस्य में महिला एक जो ब्लॉक, तहसील, वार्ड, नगरपालिका में कार्यरत महिला आवेदन कर सकेगीएक महिला सदस्य, जो महिला की समस्या के लिए प्रतिबद्ध गैर सरकारी संगठनों में से ऐसा व्यक्ति जो लैंगिकउत्पीडन से संबंधित मुद्दों से सुपरिचित ही महिला आवेदन कर सकेगी।एक सदस्य जो पुरूष एवं महिला हो सकेगा के पास अधिमानी रूप से विधि की पृष्ठभूमि या विधिक ज्ञान होना चाहिए।महिला एवं बाल विकास में संव्यवहार करने वाला संबंधित अधिकारी पदने सदस्य होगा।समिति का कार्यकाल नियुक्ति दिनांक से 03 वर्ष का रहेगा। स्थानीय समिति की कार्यवाही करने के लिए फीस या भत्ते नियमानुसार प्रदान किए जायेने।ऐसे इच्छुक व्यक्ति 07 दिवस में जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास के कार्यालय में आवेदन करसकते है।

भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं-पं. शर्मा

संगीतमय भागवत कथा में हुआ छप्पन भोग का आयोजन, रविवार को भण्डारा

मंदसौर, 18 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय स्नेह नगर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस भागवत प्रवक्ता पं. श्री सत्यनारायणजी शर्मा प्रतापगढ़ वाले द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, गिरिराज धारण की महिमा और गोवर्धन परिक्रमा के आध्यात्मिक महत्व पर गहन प्रवचन दिया। पांचवे दिन भगवान गिरीराजजी को छप्पन भोग का नैवेद्य भी लगाया गया।

कथा के दौरान पंडित शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की लीला का वर्णन करते हुए बताया कि यह घटना भक्तों की रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए भगवान की करुणा का प्रतीक है। उन्होंने गिरिराज पर्वत की परिक्रमा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग है। उन्होंने बताया कि जब इन्द्रदेव ने गोकुलवासियों पर प्रकोपस्वरूप मूसलधार वर्षा की, तब बालकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर सभी को आश्रय प्रदान किया। यह लीला दर्शाती है कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जिन्होंने प्रवचन का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। कथा स्थल पर भक्ति भाव से ओत-प्रोत वातावरण बना रहा, और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का रसास्वादन किया। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आगामी दो दिनों तक मंदिर परिसर में दोप. 12 से सायं 4 बजे जारी रहेगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से संबंधित अन्य प्रसंगों पर प्रकाश डाला जाएगा। प्रारंभ में पोथी पूजन कथा आयोजक ए.पी.शर्मा, धीरज पाठक, हंसराज रौंदवाल एमपीईबी, सहित क्षेत्रवासी, महिला भक्त मित्र मण्डल एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने किया। आज कथा में मप्र विद्युत मंडल कर्मचारी साख संस्था के अध्यक्ष डी एस चंद्रावत, संचालक देवेंद्रसिंह चौहान, सदस्य नरेंद्र नवले, दिलीप शर्मा, योगेन्द्र पंड्या, एमएस सिसोदिया, ओपी मिश्रा, प्रहलाद माहेश्वरी अशोक शर्मा, श्याम शर्मा संजीव त्रिवेदी राजू सेन विक्रम चंद्रावत हेमराज खाबिया सहित बड़ी संख्या मे श्रद्धालुजन उपस्थित थे। इस दौरान आशुतोष महादेव बालाजी मंदिर समिति के सदस्यों ने कथा में आए भक्तों के लिए रसना ठंडाई एवं मनोज शर्मा, गोरधनलाल टेलर, एस एल शर्मा ने गुरुजी की ठंडाई शरबत की व्यवस्था कर प्रसादी बाटी तथा हांगकांग निवासी श्रीमति राखी शर्मा पिता एपी शर्मा के द्वारा छप्पन भोग की प्रसाद का आयोजन रखा गया। रविवार को द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर स्नेह नगर मंदसौर परिसर में सभी भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन रखा गया है। यह जानकारी मन्दिर समिति के मीडिया प्रभारी किरण शर्मा ने दी।

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ई मेल–apdpiuindore@gmail.com फेक्स– 0731-4989768

क्रं. एफ-3/सामान्य/निविदा प्रकाशन/मु.अ.(भवन) इंदौर/2025/एनआईटी-02/994 इंदौर दिनांक 17.04.2025

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक -02/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, म.प्र.द्वारा दिनांक 01-01-2024 से प्रभावशील एस.ओ.आर.एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि तक संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Dates) अनुसार के आधार पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पार्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है ।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्रं.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानत राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय(माह में वर्षा काल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025- PWPIU- 416218-1	शासकीय हाई स्कूल भवन खेतीखेड़ा जिला मंदसौर का निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	मंदसौर	119.28	1,19,280	12,500	8
2	2025- PWPIU- 41500-1	नवीन कलेक्टर भवन मंदसौर में रिकार्ड रुम का निर्माण कार्य	मंदसौर	132.76	1,32,760	12,500	12
3	2025- PWPIU- 416078-1	केन्द्रीय जैल उज्जैन में ई-टाईप(1 यूनिट), एफ टाईप (2 यूनिट), जी-टाईप (10यूनिट) एवं एच टाईप (68यूनिट) कुल 81 आवास गृहों का निर्माण कार्य	उज्जैन	1534.16	10,00,000	30,000	24
4	2025- PWPIU- 416071-1	कार्यालय यंत्री (भवन) कार्यालय भवन बड़वानी जिला बड़वानी का निर्माण कार्य	बड़वानी	82.27	82,270	10,000	12
5	2025- PWPIU- 416056-1	जिला बड़वानी मेंसंभागीय कार्यालय के अंतर्गत नवनिर्मित/निर्माणाधीन भवनों में प्रस्तावित ब्राह्य विद्युतीकरण का निर्माण कार्य	बड़वानी	70.00	70,000	10,000	12
6	2025- PWPIU- 415447-1	खण्डवा जिला खंडवा में लोक निर्माण विभाग (भवन) संभागीय कार्यालय भवन एवं 09 नग (1-ई, 3-एफ, 5-जी टाईप) आवासगृह का निर्माण कार्य	खण्ड्वा	528.93	5,28,930	20,000	18

निविदा संबंधी तिथियां (Key-Dates) –
1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि – 11.04.2025
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि – 15.04.2025
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि – 29.04.2025
4. बिड खोलने की तिथि – 01.05.2025

G-11736/25 दो पहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र, इंदौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in